Revamping of Co-operative Banks

*295. SHRI NANA DESHMUKH: Will the Minister of FINANCE AND COMPANY AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether there is an apparent need for the rural and urban cooperative banks to cut down transaction cost so as to ensure cheaper credit for rural and agricultural customers;

(b) whether co-operative banks need to revamp their lending in order to pass the benefit of soft loan to their customers; and

(c) if the answer to part (a) and (b) above be in the affirmative, what steps are being taken by these banks to attain the aforesaid objectives?

THE MINISTER OF FINANCE AND COMPANY AFFAIRS (SHRI JASWANT SINGH): (a) to (c) Co-operative banks have been offering comparatively higher interest on deposits causing them to lend at higher rates. This has put these banks in a vicious cycle of higher perceived risk, higher interest on deposits, consequently more adverse selection of borrowers thereby increasing the risk profile further. In the above context, Reserve Bank of India (RBI) has issued instructions advising these banks to review their deposit rates to align them with the prevailing deposit rates of commercial banks. This is expected to gradually bring down the lending rates of these banks.

श्री नाना देशमुख: सभापति महोदय, मैं माननीय मंत्री महोदय से निवेदन करना चाहता हूं कि हमारे देश में किसानों की स्थिति बहुत खराब है और उन के लिए ऋण सुविधा नितांत आवश्यक है तो क्या सहकारी बैंकों के द्वारा उन्हें मिलने वाले ऋण की ब्याज दर में कुछ कमी कर के उन के लिए सुविधाजनक ऋण उपलब्ध कराने के लिए सरकार की कोई व्यवस्था है?

श्री जसवंत सिंह: सभापति जी, जैसा कि मैं पहले कह चुका हूं कि सहकारी बैंकों की अभी जो कार्य-प्रणाली है, उन का जो कामकाज है, वह संतोषजनक नहीं है। जहां तक कृषकों को सुविधाजनक दर पर ऋण देने का सवाल है, मैं पहले ही जवाब दे चुका हूं कि सरकार उस ओर प्रयत्नशील है। मैं आशा करता हूं कि इस बारे में मैं कुछ घोषणा कर पाऊंगा।

श्री नाना देशमुख: सभापति महोदय, मैं दूसरा सप्लीमेंटरी यह पूछना चाह रहा हूं क्योंकि सरकार का इस प्रकार का जवाब कि हम इंतजाम कर रहे हैं, लगभग सात वर्षों से हमें मिल रहा है, लेकिन इसके लिए क्या कोई समय की अवधि निश्चित होगी?

श्री जसवंत सिंह: सभापति जी, इसके दो पहलू हैं—एक तो कोपरेटिव बैंक के सुधार की अवधि और दूसरा जो कृषकों को उधार दिया जाता है उसमें कुछ सुधार के लिए अवधि। जहां तक कृषकों को जो उधार दिया जाता है उसकी समय की अवधि तो मेरे हाथ की बात है और मैं माननीय सदस्य को आश्वस्त कर दूं कि जल्दी से जल्दी मैं इसे कर दूंगा। निश्चित रूप से इसके लिए अगले बजट के बाद ज्यादा आपको इंतजार नहीं करना पड़ेगा। जहां तक कोपरेटिव बैंक के सुधार की बात है, इसमें जब तक राज्यों का सहयोग नहीं होगा, तब तक यह मेरे लिए अकेले में करना संभव नहीं है क्योंकि कोपरेटिव अपने आप राज्यों के साथ जुड़ा हुआ है।

MR. CHAIRMAN: Question Hour is over.

WRITTEN ANSWERS TO STARRED QUESTIONS

Foreign exchange earned from tourism industry

*284. SHRI RAJU PARMAR:
SHRI BHAGATRAM MANHAR:

Will the Minister of TOURISM AND CULTURE be pleased to state:

(a) whether Government's attention has been drawn to the news-item captioned 'Foreign tourist arrivals still below pre-September, 11 levels' which appeared in the Hindustan Times, New Delhi on 6th November, 2002;

(b) if so, the details of tourist arrivals during the last one year, country-wise/region-wise; and

(c) the estimated foreign exchange earned during the last one year from tourism industry and whether this income is less as compared to the previous year?

THE MINISTER OF TOURISM AND CULTURE (SHRI JAGMOHAN):

Statement

(a) Yes, Sir.

(b) The number of foreign tourist arrival in the year 2001-02 Region/ Country-wise is enclosed. (*See* below). There has been an increase of 16.8% and 16.2% in foreign tourist arrivals in October and November 2002 respectively as compared to the same months of the previous year.